वार्षिक पत्रिका

1999-2000

प्रवाहिनी

आपो हि ष्ठा मयोभुवः

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान

रूड़की - 247 667

NATIONAL INSTITUTE OF HYDROLOGY
ROORKEE-247667 (U.P.)

वार्षिक पत्रिका
अंक - 7, 1999 – 2000

प्रवाहिनी

आपो हिष्टा मयोभुवः

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रूड़की -247667

सम्पादक मण्डल

डा० (श्रीमती) रमा देवी मेहता वैज्ञानिक बी एवं हिन्दी अधिकारी
श्री तिलकराज सपरा, शोध सहायक
श्री महेन्द्र सिंह, आशुलिपिक

टंकण कार्य
श्री दौलत राम सहगल, आशुलिपिक (हिन्दी)

नोटः रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं । सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है ।

डा० सौभाग्य मल सेठ
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की
पिन कोड 247667(उ०प्र०)
दूरभाष 01332-72106(कार्यालय)
01332-72860 (आवास)
फैक्स 01332-72123
टेलीग्राम जलविज्ञान, रूड़की

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी संस्थान हिन्दी वार्षिक पत्रिका "प्रवाहिनी" का सफलता पूर्वक प्रकाशन कर रहा है।

हमारे देश में अनेक भाषायें बोली जाती हैं परन्तु हिन्दी जो कि सभी भाषाओं की कड़ी रूप है तथा विस्तृत भू भाग में बोली जाती है। राष्ट्र भाषा के रूप में सम्मानित है। हमारा सभी का यह कर्तव्य व सौभाग्य है कि हम पूर्ण लगन व निष्ठा से इसके उत्थान व प्रचार-प्रसार में योगदान दें। संस्थान द्वारा इस दिशा में विभिन्न कार्य-कलापों द्वारा समुचित प्रयास किया जाता रहा है। "प्रवाहिनी" का निरंतर प्रकाश न इन प्रयासों का ही एक महत्वपूर्ण भाग है।

यह अंक इस सहस्त्राब्दी का प्रथम अंक है। मुझे आशा है कि इस अंक में हमा रे संस्थान के सदस्यों द्वारा, वैज्ञानिक, साहित्यकि,खेलकूद व मनोरंजन के सभी पहलुओं का समावेश किया गया होगा।

मैं संपादक मंडल को पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभकामना देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि सहस्त्राब्दी का प्रथम अंक अन्य अंकों की भांति, राष्ट्रभाषा हिन्दी के उत्थान में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगा।

(सौभाग्य मल सेठ)

गृह मंत्री
भारत

संदेश

50 वर्ष पूर्व आज ही के दिन 14 सितम्बर, 1949 को भारतवर्ष की संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। आज उस एतिहासिक निर्णय की स्वर्ण जयन्ती है। इस अवसर पर सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

14 सितम्बर हिन्दी दिवस के रूप में हर वर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष स्वर्ण जयन्ती के उपलक्ष्य में यह वर्ष समूचे देश में विशेष उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

राष्ट्र को एक मंच पर लाने और स्वाधीनता का स्वर एक साथ मिलकर उठाने में हिन्दी की अहम भूमिका रही है। अहिन्दी भाषी प्रदेशों के मनीषियों, महापुरूषों और संतों का विशेष योगदान रहा है। स्वाधीनता आन्दोलन में महात्मा गाँधी जी के नेतृत्व में सारे देश के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने आपसी सम्पर्क सूत्र के रूप में हिन्दी को अपनाया।

स्वाधीनता के इन 52 वर्षो में राजभाषा हिन्दी का चहुँमुखी विकास हुआ है। आज हिन्दी इतनी सक्षम है कि उसमें चिकित्सा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, कृषि, कम्प्यूटर, मानविकी, प्रबंधन आदि अनेक विधाओं में वैज्ञानिक, तकनीकी और साहित्यिक रचनाएं लिखना सरल और सहज हो गया है। हिन्दी में रचनात्मक कार्य करना संभव है, अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है।

हिन्दी की समृद्धि और विकास के सन्दर्भ में हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि हम एक नई सहस्त्राब्दी के द्वार पर खड़े हो। यह तीव्र परिवर्तन का समय है। नया युग सूचना क्रान्ति का युग होगा। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा का दौर चल रहा है। हर देश अपनी प्रगति की रफ्तार को तेज करने में जुटा हुआ है।

प्राचीन इतिहास, गौरवशाली संस्कृति, विशाल प्राकृतिक सम्पदा एवं मानव संसाधनों से युक्त भारत एक प्रमुख विश्वशक्ति के रूप में उभरेगा इसमें तनिक भी सन्देह नहीं। नये युग की अपेक्षाओं और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नित नये अनुसंधानों के अनुरूप ही हमें राजभाषा हिन्दी को इस प्रकार ढालना होगा कि वह देश के उतरोत्तर विकास में अपनी भूमिका निभा सके। इस परिप्रेक्ष्य में यह स्वर्ण जयन्ती का अवसर एक हर्ष और उत्सव का अवसर तो है ही साथ् ही गंभीर आत्मनिरीक्षण और अपनी उपलब्धियों के निष्पक्ष आकलन का अवसर भी है।

हम सब मिलकर आज यह संकल्प ले कि संविधान के प्रति अपनी आस्था रखते हुए हम सब राजभाषा हिन्दी के विकास और उत्थान में अपना पूर्ण योगदान देंगे।

(लाल कृष्ण आडवाणी)

विषय संदर्भ

क्रम सं०	विवरण	पृष्ठ सं०
1.	सम्पादकीय	
2.	स्वतंत्रता दिवस '2000 के राष्ट्रीय पर्व पर संस्थान के निदेशक डा० सौभाग्य मल सेठ के सम्बोधन के अंश	1
3.	हिन्दी रिपोर्ट	3
4.	संस्थान का पुस्तकालय : श्री प्रदीप कुमार, पुस्तकालय परिचर	5
5.	पर्यावरण के प्रहरी (कौआ) : श्री मुकेश कुमार शर्मा, जे.ई. (वरिष्ठ ग्रेड)	9
6.	कहाँ है, भगवान ? : श्री सी० पी० कुमार, वैज्ञानिक ई	10
7.	श्री गौरजेस परियोजना : डा० शरद कुमार जैन, वैज्ञानिक एफ	12
8.	भू-जल और जन-जागृति : श्री रामचन्द्र लोबरा, शोध सहायक	14
9.	माँ : श्री दौलत राम सहगल, आशुलिपिक	15
10.	रोग की सही पहचान की तकनीक : सूक्ष्म सूची चूषण कोशिका का परीक्षण डा० (श्रीमती) रमा मेहता, वैज्ञानिक बी	17
11.	बूँद : श्री अमर सिंह, सन्देशवाहक	19
12.	विचारों की शुद्धता : श्री सी० पी० कुमार, वैज्ञानिक ई	20
13.	गिलहरी : श्री मुकेश कुमार शर्मा, जे.ई. (वरिष्ठ ग्रेड)	22
14.	सुदूर संवदेन तकनीक एवं जलविज्ञान : श्रीमती अंजू चौधरी, वरिष्ठ शोध सहायक	23
15.	वर्ष 2000 मुबारक : श्री सतीश कुमार कश्यप, सन्देशवाहक	26
16.	छोड़ो अंधविश्वास : श्री गुरदीप सिंह दुआ, तकनीशियन प्रथम	27
17.	भाषा का सम्मान : श्रीमती अंजू चौधरी, वरिष्ठ शोध सहायक	28
18.	अनमोल वचन : श्री पंकज कुमार गर्ग, वैज्ञानिक बी	29
19.	स्वावलम्बन : कु० गर्विता	30
20.	ज़िन्दगी का मोल : श्री अशोक कुमार, दूरसंचार, परिचर	33
21.	राष्ट्रीय जलविज्ञान में प्रथम : श्री पंकज कुमार गर्ग, वैज्ञानिक बी	34
22.	क्यों आदमी मुस्कुराता नहीं है ? : श्री अनिल कुमार लोहानी, वैज्ञानिक सी	35
23.	21 वीं सदी में विज्ञान की उपलब्धि : हर्षित गर्ग	36
24.	जीवन का मार्ग : श्री तिलक राज सपरा, शोध सहायक	38